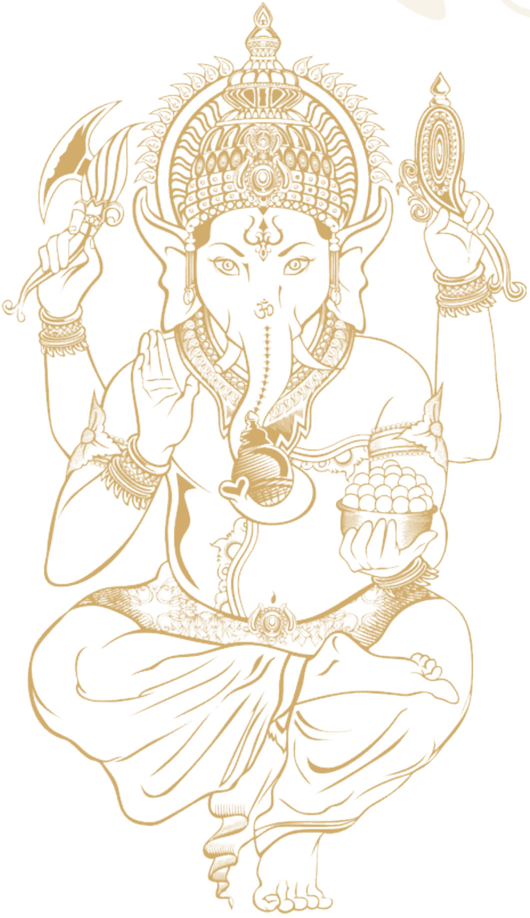

Ayush

06 May 2003

01:20 PM

Karnal

Model: web-freekundliweb

Order No: 121829602

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	**: 06/05/2003**
दिन	: मंगलवार
जन्म समय	**: 13:20:00 घंटे**
इष्ट	: 19:19:08 घटी
स्थान	**: Karnal**
राज्य	: Haryana
देश	: India

अक्षांश	: 29:41:00 उत्तर
रेखांश	: 76:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:22:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 12:57:56 घंटे
वेलान्तर	: 00:03:21 घंटे
साम्पातिक काल	: 03:52:59 घंटे
सूर्योदय	: 05:36:20 घंटे
सूर्यास्त	: 19:01:34 घंटे
दिनमान	: 13:25:14 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: ग्रीष्म
सूर्य के अंश	: 21:29:26 मेष
लग्न के अंश	: 08:30:15 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**: मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**: आर्द्रा - 3**
नक्षत्र स्वामी	: राहु
योग	: धृति
करण	: बव
गण	: मनुष्य
योनि	: श्वान
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: शूद्र
वश्य	: मानव
वर्ग	: मार्जार
युँजा	: मध्य
हंसक	: वायु
जन्म नामाक्षर	: ङ--
पाया(राशि-नक्षत्र)	: स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	08:30:15	310:33:03	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	---
सूर्य			मेष	21:29:26	00:58:07	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	उच्च राशि
चंद्र			मिथु	14:17:29	12:15:25	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	मित्र राशि
मंगल			मक	14:34:23	00:34:41	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	उच्च राशि
बुध	व	अ	मेष	23:02:33	00:36:34	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	सम राशि
गुरु			कर्क	15:43:33	00:05:37	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	उच्च राशि
शुक्र			मीन	23:49:23	01:12:41	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	उच्च राशि
शनि			मिथु	02:41:08	00:06:32	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
राहु			वृष	05:34:50	00:01:34	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	05:34:50	00:01:34	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	08:30:29	00:01:32	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
नेप			मक	19:15:41	00:00:19	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	25:33:24	00:01:15	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			वृष	06:30:34	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:57

लग्न-चलित

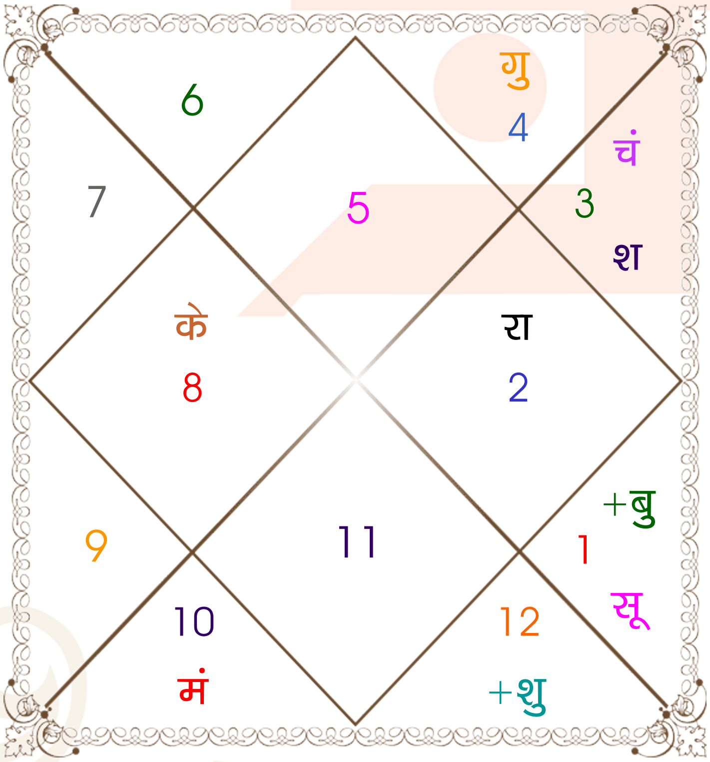

चन्द्र कुंडली

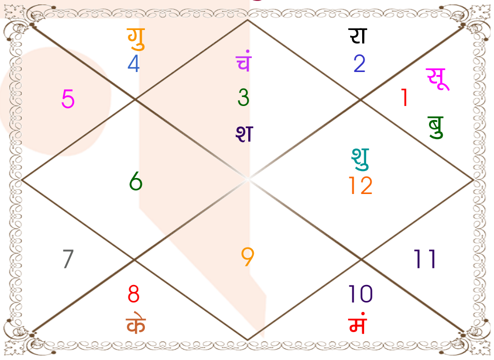

नवमांश कुंडली

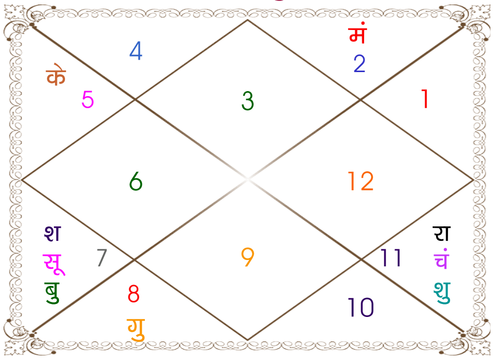

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 7 वर्ष 8 मास 14 दिन

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
06/05/2003	**19/01/2011**	**19/01/2027**	**19/01/2046**	**19/01/2063**
19/01/2011	**19/01/2027**	**19/01/2046**	**19/01/2063**	**19/01/2070**
00/00/0000	गुरु 08/03/2013	शनि 22/01/2030	बुध 16/06/2048	केतु 17/06/2063
00/00/0000	शनि 19/09/2015	बुध 01/10/2032	केतु 13/06/2049	शुक्र 16/08/2064
06/05/2003	बुध 25/12/2017	केतु 10/11/2033	शुक्र 13/04/2052	सूर्य 22/12/2064
बुध 21/07/2003	केतु 01/12/2018	शुक्र 09/01/2037	सूर्य 18/02/2053	चंद्र 23/07/2065
केतु 07/08/2004	शुक्र 01/08/2021	सूर्य 22/12/2037	चंद्र 20/07/2054	मंगल 19/12/2065
शुक्र 08/08/2007	सूर्य 20/05/2022	चंद्र 24/07/2039	मंगल 17/07/2055	राहु 07/01/2067
सूर्य 01/07/2008	चंद्र 19/09/2023	मंगल 31/08/2040	राहु 03/02/2058	गुरु 14/12/2067
चंद्र 31/12/2009	मंगल 25/08/2024	राहु 08/07/2043	गुरु 11/05/2060	शनि 21/01/2069
मंगल 19/01/2011	राहु 19/01/2027	गुरु 19/01/2046	शनि 19/01/2063	बुध 19/01/2070

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
19/01/2070	**19/01/2090**	**19/01/2096**	**20/01/2106**	**19/01/2113**
19/01/2090	**19/01/2096**	**20/01/2106**	**19/01/2113**	**00/00/0000**
शुक्र 20/05/2073	सूर्य 08/05/2090	चंद्र 19/11/2096	मंगल 18/06/2106	राहु 03/10/2115
सूर्य 20/05/2074	चंद्र 07/11/2090	मंगल 20/06/2097	राहु 06/07/2107	गुरु 25/02/2118
चंद्र 19/01/2076	मंगल 15/03/2091	राहु 19/12/2098	गुरु 11/06/2108	शनि 01/01/2121
मंगल 20/03/2077	राहु 06/02/2092	गुरु 20/04/2100	शनि 21/07/2109	बुध 07/05/2123
राहु 20/03/2080	गुरु 25/11/2092	शनि 20/11/2101	बुध 18/07/2110	00/00/0000
गुरु 19/11/2082	शनि 07/11/2093	बुध 21/04/2103	केतु 14/12/2110	00/00/0000
शनि 19/01/2086	बुध 13/09/2094	केतु 20/11/2103	शुक्र 13/02/2112	00/00/0000
बुध 19/11/2088	केतु 19/01/2095	शुक्र 21/07/2105	सूर्य 20/06/2112	00/00/0000
केतु 19/01/2090	शुक्र 19/01/2096	सूर्य 20/01/2106	चंद्र 19/01/2113	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 7 वर्ष 7 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्या संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली पुरुषों में अद्वितीय है। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्य मान है। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक है। आप विद्वान, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान, आश्वस्त तथा साहसी पुरुष हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपकी अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान होगें।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगे। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नही करते।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगे परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्त्ता पर छोड़ देंगे। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगे।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान एवं समर्पित व्यक्ति हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करते हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाले हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहते हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभव है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपने मित्रों के मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगे। ताकि एक व्यक्ति ही नही सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझे जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, ं मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहते हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।